

व्यापार - अपर कम + 22. नागौर -  
श. प्र. पत्र सं. 181/23 मंगल नाम पं. रा. मि. 202

18.6.24

नमूना 3 फ. 1) छाकी की 2 म  
निगदानी विस्तृत विवेचन के साथ  
स्वार्थिक की जा चुकी है, के अनुसार  
प्रस्तुत प्र. पत्र के स्वार्थिक विषय  
जाग है) पगानी के अंत शुभार है)  
केवल के अंत होकर 911 विना -  
दस्ता है)

18/6/24  
~~अपर कपडर, नागौर~~